भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

25.03.2026 के

तारांकित प्रश्न सं. 475 का उत्तर

रेलवे की वित्तीय स्थिति

***475. श्रीमती भारती पारधी:**

श्री नरेश गणपत म्हस्के:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पिछले दस वर्षों के दौरान भारतीय रेलवे की वित्तीय स्थिति में सुधार देखा गया है जिसमें उसका राजस्व घाटा राजस्व अधिशेष में बदल गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) ऐसे प्रमुख कारकों और सुधारों का ब्यौरा क्या है जिनसे विशेषकर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में राजस्व में वृद्धि, लागत प्रबंधन और समग्र वित्तीय स्थिरता की स्थिति में सुधार हुआ है;

(ग) वित्तीय परिणामों को सुदृढ़ करने में परिवर्तनीय मूल्य निर्धारण, मालभाड़ा यौक्तिकीकरण, परिसंपत्ति मौद्रीकरण और सेवा संबंधी नवाचारों की भूमिका का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उत्पादकता में सुधार, नेटवर्क विस्तार और प्रचालनात्मक दक्षता संबंधी उपायों को सभी मंडलों में प्रमुखता प्रदान की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या इन वित्तीय सुधारों से समस्त रेल नेटवर्क में भावी निवेश, आधुनिकीकरण और सेवा की गुणवत्ता में अभिवृद्धि में सहायता मिलेगी, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 25.03.2026 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 475 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): भारतीय रेल मामूली अधिशेष अर्जित कर रही है। 2024-25 में, भारतीय रेल ने यात्री सेवाओं पर सब्सिडी दिए जाने के बावजूद पेंशन सहित सभी परिचालनिय व्यय को पूरा करने के बाद 2,660 करोड़ रुपए का अधिशेष अर्जित किया।

भारतीय रेल समाज के सभी वर्गों को किफायती सेवाएं प्रदान करने का प्रयास करती है और उसने 2024-25 में यात्री टिकटों पर 60,239 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी। यह रेल यात्रा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को औसतन 43% की छूट के बराबर है। दूसरे शब्दों में, यदि सेवा प्रदान करने की लागत 100 रुपए है, तो टिकट की कीमत केवल 57 रुपए होगी। यह सब्सिडी सभी यात्रियों के लिए जारी है।

माल यातायात, राजस्व, उत्पादकता और समग्र वित्तीय स्थिरता को बढ़ाने के लिए, भारतीय रेल द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

रेलवे में अवसंरचना पर पूंजीगत व्यय को 2014 से अत्यधिक बढ़ावा मिला है और सकल बजटीय सहायता 2013-14 में 29,055 करोड़ रुपए से बढ़कर 2026-27 में 2,78,030 करोड़ रुपए हो गई है, अर्थात् लगभग 10 गुना वृद्धि की गई है। रेलवे द्वारा अवसंरचना के तेजी से विस्तार का कारण निधि आवंटन में पर्याप्त वृद्धि और सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदम हैं।

पिछले 11 वर्षों के दौरान भारतीय रेल द्वारा रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए गए हैं।

भारतीय रेल में नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	7,599 कि.मी.	4.2 कि.मी. प्रतिदिन
2014-25	34,428 कि.मी.	8.6 कि.मी. प्रतिदिन (2 गुना से अधिक)

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में लगभग 6.75 लाख करोड़ रुपए की लागत पर 35,966 कि.मी. कुल लंबाई की 431 रेल अवसंरचना परियोजनाएँ (154 नई लाइन, 33 आमान परिवर्तन और 244 दोहरीकरण) को स्वीकृति दी गई है। इनका सारांश इस प्रकार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी.)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च 2025 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	154	16,142	3,036	1,45,318
आमान परिवर्तन	33	4,180	2,997	22,753
दोहरीकरण/बहुपथन	244	15,644	6,736	1,22,858
कुल	431	35,966	12,769	2,90,929

विभिन्न स्तरों पर परियोजनाओं की प्रगति की बारीकी से निगरानी, शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन और वन्यजीवन संबंधी मंजूरी प्राप्त करने और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को हल करने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित रूप से संपर्क बनाए रखने से सभी क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करने में सहायता मिली है।

इसके अलावा, क्षमता बढ़ाने और परिणामस्वरूप राजस्व बढ़ाने के लिए निम्नलिखित उपाय भी किए गए हैं:

- यार्ड रीमॉडलिंग, बाईपास/कॉर्ड लाइनों, रेल फ्लाईओवरों आदि के निर्माण द्वारा परिचालन में आने वाली बाधाओं को दूर करना।

- लुधियाना से सोन नगर (1337 कि.मी.) तक पूर्वी समर्पित माल गलियारे (ईडीएफसी) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी (1506 कि.मी.) तक पश्चिमी समर्पित माल गलियारे (डब्ल्यूडीएफसी) का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। कुल 2843 कि.मी. में से, 2741 मार्ग कि.मी. (96.4%) को कमीशन किया जा चुका है।

- भारतीय रेल ने रेल लाइनों के विद्युतीकरण कार्य को मिशन मोड में शुरू किया है। अब तक, लगभग 99.4% बड़ी लाइन नेटवर्क को विद्युतीकृत किया जा चुका है। वर्ष 2014 से पूर्व और उसके पश्चात् किए गए विद्युतीकरण का तुलनात्मक ब्यौरा इस प्रकार है:

अवधि	मार्ग कि.मी.
2014 से पूर्व	21,801
2014-25	46,900

- माल डिब्बों और इंजनों का प्रापण: माल वहन क्षमता बढ़ाने के लिए, भारतीय रेल में माल डिब्बों का बड़ी संख्या में प्रापण किया गया है और इंजनों का निर्माण किया गया है। वर्ष 2014 से 2025 के दौरान, लगभग 2 लाख माल डिब्बों का प्रापण किया गया है और माल लदान तथा गतिशीलता बढ़ाने के लिए 10,000 से अधिक इंजन शामिल किए गए हैं।

- सामान्य प्रयोजन माल डिब्बों, विशेष प्रयोजन/उच्च क्षमता वाले माल डिब्बों और सीमेंट, तेल, स्टील, फ्लाई-एश, ऑटोमोबाइल आदि के लिए ऑटोमोबाइल वाहक माल डिब्बों में निवेश में उद्योगों की भागीदारी। अब तक, लगभग विशेष प्रयोजन माल डिब्बों के 250 रेक, सामान्य प्रयोजन माल डिब्बों के 385 रेक और ऑटोमोबाइल माल डिब्बों के 51 रेक शामिल किए गए हैं।

- थोक सीमेंट प्रबंधन टर्मिनलों पर नीति: विशेष टर्मिनलों के विकास और उपयुक्त माल डिब्बों को उपयोग में लाने जैसी सुविधा द्वारा रेल के माध्यम से सीमेंट के थोक परिवहन को बढ़ाने के लिए एक समर्पित नीति जारी की गई है। इससे संभार तंत्र की दक्षता में सुधार, सीमेंट प्रबंधन लागत में कमी और सीमेंट परिवहन में रेल की हिस्सेदारी बढ़ने की संभावना है।

- परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के लिए, कार्गो टर्मिनलों के विकास में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) नीति शुरू की गई है। अब तक, 128 जीसीटी कमीशन किए जा चुके हैं और 292 अन्य स्थानों के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन दिया जा चुका है।

- रेल भूमि पर कार्गो से संबंधित सुविधाओं का विकास: प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से भंडारगृहों, प्रसंस्करण इकाइयों और संग्रहण सुविधाओं जैसे संभार तंत्र अवसंरचना के विकास के लिए रेलवे की अतिरिक्त भूमि को दीर्घकालिक पट्टे (25 वर्ष, 50 वर्ष तक विस्तार योग्य) पर दिए जाने की अनुमति दी गई है। इससे परिसंपत्ति का बेहतर उपयोग संभव हो पाता है और गैर-किराया राजस्व अर्जित होता है। इससे संबंधित दिशानिर्देश जीसीटी नीति की अनुसूची '3' के अंतर्गत तैयार किए गए हैं।

- रेल पार्सल ऐप: दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा 25.02.2026 को 7 शहरों हैदराबाद, विशाखपट्टणम, विजयवाड़ा, गुंटूर, राजमंड्री, बेंगलुरु और चेन्नई में 17 स्थानों पर प्रायोगिक परियोजना आधार पर रेलवे के पार्सल संभार तंत्र के लिए एक ऐप-आधारित प्लेटफॉर्म लॉन्च किया गया है जिसकी अवधि इसके कार्यान्वयन की तिथि से 01 वर्ष के लिए है। यह ऐप ग्राहकों की सुविधा के लिए रेल परिसर में भौतिक रूप से पार्सल लाने और संबंधित कागजी कार्य की आवश्यकता को समाप्त करते हुए ऑनलाइन बुकिंग और डिजिटल भुगतान के माध्यम से सुपुर्दगी भागीदारों द्वारा एक निर्बाध, आद्योपांत सेवा को सक्षम बनाता है। इस ऐप को बाद में पूरे भारत में शुरू करने की योजना बनाई गई है।

- डोर-टू-डोर सेवाएं - कॉनकोर, जो रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, भी दिल्ली-कोलकाता और मुंबई-कोलकाता सेक्टरों पर जेपीपी-आरसीएस का उपयोग करके डोर-टू-डोर पार्सल सेवाएं प्रदान कर रहा है। कॉनकोर सोनिक गुड्स शेड में एक पायलट परियोजना के अंतर्गत डोर-टू-डोर संभार सेवा भी प्रदान कर रहा है।

- मांग के अनुसार रेकों/माल डिब्बों की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

- परिसंपत्तियों की निगरानी और उनके उपयोग में सुधार के लिए माल यातायात परिचालन में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करना।

- उच्च अश्वशक्ति वाले रेल इंजनों को शामिल करना।

- माल डिब्बों और रेल इंजनों की अनुरक्षण प्रक्रियाओं में सुधार के परिणामस्वरूप यातायात उपयोग के लिए रेल इंजनों और चल स्टॉक की उपलब्धता में वृद्धि हुई।

- अधिक मात्रा में यातायात के परिवहन के लिए रेलपथ और सिगनल प्रणाली के मानकों में सुधार करना।

- नई प्रौद्योगिकी और प्रबंधन प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों को प्रशिक्षण देना।

- आरएलडीए द्वारा रेलवे की खाली भूमि का वाणिज्यिक विकास।

इन सभी उपायों के परिणामस्वरूप, रेलवे ने 2024-25 में 1617 मीट्रिक टन माल का लदान किया है और इस प्रकार यह विश्व में दूसरी सबसे बड़ी मालवाहक रेलवे बन गई है।

मध्य प्रदेश

रेल बजट:

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	व्यय
2009-14	₹632 करोड़ प्रति वर्ष
2025-26	₹14,745 करोड़ (23 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली नई पटरियों की कमीशनिंग/बिछाए जाने का विवरण निम्नलिखित है:

अवधि	कमीशन किया गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	145 कि.मी.	29 कि.मी. प्रतिवर्ष
2014-25	2651 कि.मी.	241 कि.मी. प्रतिवर्ष (8 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2025 तक, मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 4,740 कि.मी. की कुल लंबाई वाली 24 रेल परियोजनाएं (08 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 14 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं, जिनकी लागत ₹89,542 करोड़ है। सारांश इस प्रकार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	8	1,914	544	15,069
आमान परिवर्तन	2	809	430	6,766
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	14	2,017	1,118	19,566
कुल	24	4,740	2,093	41,401

भारतीय रेल की वेबसाइट पर रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूर्ण हुई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नलिखित है:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	अनूपपुर-कटनी तीसरी लाइन (165 कि.मी.)	2,311
2.	पेंड्रा रोड- अनूपपुर तीसरी लाइन (50 कि.मी.)	394
3.	बिलासपुर में फ्लाईओवर के साथ खोदरी-अनूपपुर दोहरीकरण (72 कि.मी.)	792
4.	भोपाल-बीना तीसरी लाइन (145 कि.मी.)	1,075
5.	बीना-कोटा दोहरीकरण (283 कि.मी.)	2,477
6.	बालाघाट-कटंगी सहित जबलपुर-गोंदिया आमान परिवर्तन (300 कि.मी.)	2,005

7.	छिंदवाड़ा-नागपुर आमान परिवर्तन (150 कि.मी.)	1,512
8.	छिंदवाड़ा-मंडला फोर्ट आमान परिवर्तन (182 कि.मी.)	1,268
9.	घाटपिंडारी-बलखेड़ा दोहरीकरण (6 कि.मी.)	29
10.	गुना-रुठियाई दोहरीकरण (20 कि.मी.)	175
11.	कटनी यार्ड को बाईपास करते हुए झुकेही कोर्ड लाइन (2 कि.मी.)	12
12.	सोनतलाई-बगराटवा दोहरीकरण (7 कि.मी.)	110
13.	इटारसी-बुधनी तीसरी लाइन (25 कि.मी.)	286
14.	तीगांव-चिचोंडाघाट खंड तीसरी लाइन (17 कि.मी.)	176
15.	बरखेड़ा-भोपाल तीसरी लाइन (41 कि.मी.)	473
16.	नागदा-उज्जैन पुल का दोहरीकरण (2 कि.मी.)	28
17.	नीमच-चित्तौड़गढ़ दोहरीकरण (56 कि.मी.)	560
18.	बुधनी-बरखेड़ा तीसरी लाइन (27 कि.मी.)	1,703
19.	इंदौर-देवास-उज्जैन दोहरीकरण (79 कि.मी.)	757
20.	पावरखेड़ा-जुझारपुर रेल फ्लाईओवर (16 कि.मी.)	443
21.	गुना-इटावा नई लाइन (348 कि.मी.)	683
22.	रमना-सिंगरौली दोहरीकरण (160 कि.मी.)	2,436
23.	करैला रोड- शक्तिनगर दोहरीकरण (32 कि.मी.)	763
24.	मालखेड़ी-महादेवखेड़ी दोहरीकरण (12 कि.मी.)	59

मध्य प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली और शुरू की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	शाहडोल-सिंहपुर चौथी लाइन (6 कि.मी.) (शाहडोल निर्वाचन क्षेत्र से होकर गुजरती है)	54
2.	कटनी- ग्रेड सेपरेटर/बायपास (35 कि.मी.)	2,300
3.	कटनी-सिंगरौली दोहरीकरण (257 कि.मी.)	4,377
4.	ललितपुर-सतना, रीवा-सिंगरौली और महोबा-खजुराहो नई लाइन (541 कि.मी.)	8,914
5.	रामगंजमंडी-भोपाल नई लाइन (277 कि.मी.)	5,073
6.	इंदौर-बुदनी नई लाइन (198 कि.मी.)	7,474
7.	नीमच-बड़ी सादड़ी नई लाइन (48 कि.मी.)	495
8.	कोटा तक विस्तार के साथ ग्वालियर-श्योपुर कलाँ आमान परिवर्तन (284 कि.मी.)	2,913
9.	इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन (280 कि.मी.)	2,450
10.	झांसी-बीना तीसरी लाइन (153 कि.मी.)	2,002
11.	मथुरा-झांसी तीसरी लाइन (274 कि.मी.)	5,924
12.	झाँसी-कैरार-मानिकपुर और खिरार-भीमसेन दोहरीकरण (431 कि.मी.)	4,330
13.	सतना-रीवा दोहरीकरण मार्ग (50 कि.मी.)	590
14.	रुठियाई बाईपास मार्ग (3 कि.मी.)	54
15.	गुना बाई पास लाइन (2 कि.मी.)	179

16.	उज्जैन फ्लाईओवर (2 कि.मी.)	100
17.	मनमाड - इंदौर नई लाइन (360 कि.मी.)	18,529
18.	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	3,285
19.	दाहोद-इंदौर नई लाइन (205 कि.मी.)	9,746
20.	नीमच-रतलाम दोहरीकरण (133 कि.मी.)	1,096
21.	छोटा उदेपुर-धार नई लाइन (147 कि.मी.)	1,794
22.	रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी लाइन (41 कि.मी.)	964
23.	वडोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी लाइन (259 कि.मी.)	8,387
24.	रतलाम-खंडवा आमान परिवर्तन (299 कि.मी.)	7,265
25.	बीना-इटारसी चौथी लाइन (237 कि.मी.)	4,329
26.	इटारसी-नागपुर चौथी लाइन (297 कि.मी.)	5,010

महाराष्ट्र

रेल बजट:

पिछले 5 वर्षों के दौरान बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचनात्मक परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,171 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
2025-26	23,778 करोड़ रुपए (20 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

वर्ष 2009-14 और वर्ष 2014-25 के दौरान महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ निर्माण संबंधी कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	292 कि.मी.	58.4 कि.मी. प्रतिवर्ष
2014-25	2,292 कि.मी.	208.4 कि.मी. प्रतिवर्ष (3 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 89,780 करोड़ रुपए की लागत पर कुल 5,098 कि.मी. लंबाई की 38 परियोजनाओं (11 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 25 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	11	1,355	234	10,504
आमान परिवर्तन	02	609	334	4,286
दोहरीकरण/बहुपथन	25	3,134	1,792	24,617
कुल	38	5,098	2,360	39,407

सभी रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

महाराष्ट्र में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार हैः-

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	पुणे-मिराज-लोंडा दोहरीकरण (467 कि.मी.)	4,670
2	जबलपुर-गोंदिया आमान परिवर्तन (300 कि.मी.)	2,005
3	छिंदवाड़ा-नागपुर आमान परिवर्तन (150 कि.मी.)	1,512
4	पनवेल-पेन दोहरीकरण (35 कि.मी.)	263
5	पेन-रोहा दोहरीकरण (40 कि.मी.)	330
6	उधना-जलगांव दोहरीकरण (307 कि.मी.)	2,448
7	मुदखेड-परभणी दोहरीकरण (81 कि.मी.)	673
8	भुसावल-जलगांव तीसरी लाइन (24 कि.मी.)	325
9	जलगांव-भुसावल चौथी लाइन (24 कि.मी.)	261
10	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 कि.मी.)	3,182

चालू परियोजनाएं:

महाराष्ट्र राज्य में रेल अवसंरचनाओं को और बेहतर बनाने के लिए निम्नानुसार कार्य शुरू किए गए हैं:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1	अहिल्यानगर (अहमदनगर)-बीड-परली वैजनाथ नई लाइन (261 कि.मी.)	4,957
2	बारामती-लोनंद नई लाइन (64 कि.मी.)	1,844
3	वर्धा-नांदेड़ नई लाइन (284 कि.मी.)	3,445
4	इंदौर-मनमाड नई लाइन (360 कि.मी.)	18,529
5	वडसा-गडचिरोली नई लाइन (52 कि.मी.)	1,886
6	जालना-जलगांव नई लाइन (174 कि.मी.)	5,804
7	दौंड-मनमाड दोहरीकरण मार्ग (236 कि.मी.)	3,037

8	कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (68 कि.मी.)	1,433
9	वर्धा-नागपुर तीसरी लाइन (76 कि.मी.)	698
10	वर्धा-बल्लारशाह तीसरी लाइन (132 कि.मी.)	1,385
11	इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन (280 कि.मी.)	2,450
12	राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन (228 कि.मी.)	3,545
13	वर्धा-नागपुर चौथी लाइन (79 कि.मी.)	1,137
14	जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 कि.मी.)	2,574
15	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 कि.मी.)	3,285
16	सोलापुर-तुलजापुर-उस्मानाबाद नई लाइन (95 कि.मी.)	2,933
17	पनवेल-चौक डबल लाइन (17 कि.मी.)	491
18	वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन (135 कि.मी.)	2,226
19	इटारसी-नागपुर चौथी लाइन (297 कि.मी.)	5,010
20	वर्धा-भुसावल तीसरी और चौथी लाइन (314 कि.मी.)	9,197
21	आसनगांव-कसारा चौथी लाइन (35 कि.मी.)	794
22	बदलापुर-कर्जत तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	1,324
23	गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी लाइन (84 कि.मी.)	2,223
24	गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण (240 कि.मी.)	4,819

मुंबई क्षेत्र में रेलगाड़ी प्रबंधन क्षमता बढ़ाना:

वर्तमान में, मुंबई क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 120 मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों और लगभग 3200 उपनगरीय गाड़ियों की संभलाई की जाती है। मुंबई क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर रेलगाड़ी प्रबंधन क्षमता बढ़ाने के लिए, निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए हैं/शुरू किए गए हैं/योजना बनाई गई है:

क्र. सं.	स्थान	विवरण
1	बांद्रा टर्मिनस	3 पिट लाइनों का कार्य पूरा कर लिया गया है
2	मुंबई सेंट्रल	24 एलएचबी सवारी डिब्बों के लिए प्लेटफार्म का विस्तार
3	जोगेश्वरी	2 अतिरिक्त प्लेटफ़ॉर्म

4	दादर	1 अतिरिक्त प्लेटफ़ॉर्म
5	वसई रोड	6 प्लेटफॉर्म, 3 पिट लाइनें और 5 स्टेबलिंग लाइनें
6	पनवेल-कलम्बोली	5 प्लेटफॉर्म, 4 पिट लाइनें और 2 सिक लाइनें
7	कल्याण	6 प्लेटफ़ॉर्म और 4 पिट लाइनें
8	एलटीटी	4 प्लेटफ़ॉर्म और 2 पिट लाइनें
9	परेल	6 प्लेटफ़ॉर्म, 5 पिट लाइनें, 6 स्टेबलिंग लाइनें
10	विरार	25 स्टेबलिंग लाइनें
11	दहाणू रोड	11 स्टेबलिंग लाइनें
12	मीरा रोड	25 स्टेबलिंग लाइनें

उपर्युक्त के अतिरिक्त, 15 कार वाली ईएमयू को समायोजित करने के लिए 34 स्टेशनों पर प्लेटफार्म विस्तार कार्य शुरू किया गया है।

क्षमता संवर्धन के लिए नई परियोजनाएं:

मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के लिए, ₹8,087 करोड़ की लागत से मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-II, ₹10,947 करोड़ की लागत से मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-III और ₹33,690 करोड़ की लागत से मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-IIIए को स्वीकृति दी गई है। इन परियोजनाओं में मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में निम्नलिखित कार्य शामिल हैं:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (₹ करोड़ में)
1	सीएसएमटी-कुर्ला पांचवीं और छठी लाइन (एमयूटीपी-II) (17.5 कि.मी.)	891
2	मुंबई सेंट्रल-बोरीवली छठी लाइन (एमयूटीपी-II) (30 कि.मी.)	919

3	गोरेगांव-बोरीवली से हार्बर लाइन का विस्तार (एमयूटीपी-IIIए) (7 कि.मी.)	826
4	बोरीवली-विरार पांचवीं और छठी लाइन (एमयूटीपी-IIIए) (26 कि.मी.)	2,184
5	विरार-दहाणू रोड तीसरी और चौथी लाइन (एमयूटीपी-III) (64 कि.मी.)	3,587
6	पनवेल-कर्जत उपनगरीय गलियारा (एमयूटीपी-III) (29.6 कि.मी.)	2,782
7	ऐरोली-कलवा (एलिवेटेड) उपनगरीय गलियारा लिंक (एमयूटीपी-III) (3.3 कि.मी.)	476
8	कल्याण-आसनगांव चौथी लाइन (एमयूटीपी-IIIए) (32 कि.मी.)	1,759
9	कल्याण-बदलापुर तीसरी और चौथी लाइन (एमयूटीपी-IIIए) (14 कि.मी.)	1,510
10	कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (67 कि.मी.)	793
11	नायगांव-जूचन्द्र डबल कोर्ड लाइन (6 कि.मी.)	176
12	निलजे-कोपर डबल कोर्ड लाइन (5 कि.मी.)	338
13	कल्याण यार्ड रीमॉडलिंग का कार्य	866

नई पीढ़ी की गाड़ियां:

यात्री वहन क्षमता बढ़ाने के लिए, मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी)-III और IIIए के तहत ₹19,293 करोड़ की लागत से दरवाजों सहित 12 डिब्बों वाले 238 रेक स्वीकृत किए गए हैं। इन रेकों की खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुणे क्षेत्र के लिए क्षमता संवर्धन कार्य:

वर्तमान में, पुणे क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 33 मेल/एक्सप्रेस रेलगाडियों की संभलाई की जाती है।

पुणे क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर रेलगाड़ी क्षमता बढ़ाने के लिए, विभिन्न स्टेशनों पर निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए हैं/शुरू किए गए हैं/नियोजित किए गए हैं:

क्र. सं.	स्थान	विवरण
1	पुणे जंक्शन	6 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म और प्लेटफॉर्म 5 का विस्तार।
2	हडपसर	रेलगाड़ियों की अधिकतम लंबाई की संभलाई के लिए 3 प्लेटफॉर्मों का विस्तार।
3	खडकी	प्लेटफॉर्म -3/4 को ऊंचा और विस्तार करने तथा जुलाई 2025 में पूरी हुई चालू लाइनों का विस्तार।
4	आलंदी	9 अतिरिक्त प्लेटफार्मों, 8 गर्त लाइनों और 8 स्टेबलिंग लाइनों के साथ नया कोचिंग टर्मिनल
5	फुरसुंगी	फुरसुंगी में 5 स्टेबलिंग लाइनें

उपरोक्त के अलावा, पुणे क्षेत्र में गाड़ी परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए निम्नलिखित क्षमता वाले अतिरिक्त कार्य किए गए हैं:

क्र. सं.	परियोजना का नाम
1	हडपसर और घोरपड़ी यार्ड के बीच तीसरी लाइन
2	मांजरी बुद्रुक पुणे-दौंड खंड में नया ब्लॉक स्टेशन और पुणे-सासवड खंड में रामटेकडी
3	पुणे सासवड रोड खंड में द्विदिशीय सिगनल प्रणाली

बुलेट ट्रेन परियोजना:

वर्तमान में, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 कि.मी.) एकमात्र हाई स्पीड रेल परियोजना है जो निष्पादित की जा रही है। यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजरती है और इसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशनों के निर्माण की योजना बनाई गई है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) अधिगृहीत कर ली गई है। सभी 1,651 उपयोगिताओं को स्थानांतरित कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में विलंब से 2021 तक परियोजना प्रभावित हुई है। महाराष्ट्र में 2022 में भूमि अधिग्रहण में तेजी आई।

अब तक विभिन्न प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है:

मद	प्रगति
पाया	430 कि.मी.
गर्डर	341 कि.मी.
ट्रैक बैड	174 कि.मी.
ओएचई मास्ट	153 कि.मी.

स्टेशनों पर कार्य की प्रगति निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	स्टेशन	स्थिति
1	साबरमती	नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है, प्लेटफॉर्म स्लैब और छत का संरचनात्मक कार्य और फिनिशिंग का कार्य चल रहा है।
2	अहमदाबाद	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है और फिनिशिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	आनंद/नडियाद	
4	वडोदरा	नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है, संरचनात्मक कार्य और फिनिशिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।

5	भरूच	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है और फिनिशिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	सूरत	
7	बिलिमोरा	
8	वापी	
9	बोईसर	नींव का कार्य शुरू कर दिया गया है और यह अंतिम चरण में है। संरचनात्मक कार्य भी शुरू कर दिया गया है।
10	विरार	
11	ठाणे	
12	बीकेसी (मुंबई)	यह एक अंडरग्राउंड स्टेशन है। नींव का कार्य लगभग पूरा हो गया है और बेस स्लैब का कार्य शुरू कर दिया गया है।

नदी पुलों पर कार्य की प्रगति इस प्रकार है:-

क्र. सं.	नदी का नाम	स्थिति
1	साबरमती नदी (480 मीटर)	सब-स्ट्रक्चर का कार्य पूरा कर लिया गया है, सुपरस्ट्रक्चर का कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	मेशवा नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
3	वात्रक नदी (280 मीटर)	
4	मोहर (शेढ़ी) नदी (160 मीटर)	
5	माही नदी (720 मीटर)	12 में से 11 कुओं का कार्य पूरा कर लिया गया है; 5 स्पैन लॉन्च कर दिए गए हैं।
6	विश्वामित्री नदी (80 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
7	ढाढर नदी (120 मीटर)	
8	नर्मदा नदी (1366 मीटर)	25 में से 21 कुओं का कार्य पूरा कर लिया गया है; 4 स्पैन लॉन्च कर दिए गए हैं।
9	किम नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।

10	तापी नदी (720 मीटर)	नींव का कार्य शुरू कर दिया गया है, 12 में से 10 कुओं का कार्य पूरा कर लिया गया है।
11	मिंधोला नदी (240 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
12	पूर्णा नदी (360 मीटर)	
13	अंबिका नदी (200 मीटर)	
14	वेंगानिया नदी (200 मीटर)	
15	कावेरी नदी (120 मीटर)	
16	खरेरा नदी (120 मीटर)	
17	औरंगा नदी (320 मीटर)	
18	पार नदी (320 मीटर)	
19	कोलक नदी (160 मीटर)	
20	दमन गंगा नदी (360 मीटर)	
21	दारोथा नदी (80 मीटर)	
22	जगनी नदी (360 मीटर)	नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है।
23	वैतरणा नदी (2320 मीटर)	12 पाइल कैप और 11 पियर (58 में से) पूरे कर लिए गए हैं।
24	उल्हास नदी (120 मीटर)	नींव का कार्य शुरू करने के लिए टेम्परररी एक्सेस ब्रिज का कार्य पूरा कर लिया गया है।
25	देसाई खाड़ी नदी पुल (400 मीटर)	भू-तकनीकी जांच पूरी कर ली गई है और डिज़ाइन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

समुद्र के नीचे सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 कि.मी. लंबाई का कार्य पूरा कर लिया गया है।

समर्पित माल गलियारा:

पश्चिमी डीएफसी भी महाराष्ट्र से होकर गुज़रता है। पश्चिमी डीएफसी का लगभग 178 मार्ग कि.मी. महाराष्ट्र में स्थित है, जो पश्चिमी डीएफसी के कुल मार्ग का लगभग 12% है। महाराष्ट्र में न्यू घोलवड़ से न्यू वैतरना तक इस परियोजना के 76 कि.मी. मार्ग को कमीशन कर दिया गया है। शेष निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं। पश्चिमी डीएफसी को जेएनपीटी से जोड़ने से पत्तन से दिल्ली एनसीआर तक कार्गो और कंटेनर यातायात संभालने की क्षमता में संवर्धन होगा।

उत्तर प्रदेश

रेल बजट:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,109 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
2025-26	19,858 करोड़ रुपए (लगभग 18 गुना)

रेलपथ निर्माण:

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	996 कि.मी.	199 कि.मी. प्रतिवर्ष
2014-25	5,272 कि.मी.	479 कि.मी. प्रतिवर्ष (2 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 62,360 करोड़ रुपए लागत वाली 3,807 कि.मी. कुल लंबाई की 49 परियोजनाएं (10 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 37 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। संक्षेप में स्थिति निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	10	1227	340	10517
आमान परिवर्तन	02	67	-	281
दोहरीकरण/बहुपथन	37	2513	983	19813
कुल	49	3807	1323	30611

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	इटावा-मैनपुरी नई लाइन (58 कि.मी.)	313
2.	बहराइच-नानपारा-नेपाल गंज आमान परिवर्तन (56 कि.मी.)	342
3.	बलिया-गाजीपुर सिटी दोहरीकरण (65 कि.मी.)	650
4.	गाज़ीपुर सिटी-तारीघाट नई लाइन (17 कि.मी.)	1766
5.	गोंडा-गोरखपुर लूप आमान परिवर्तन (260 कि.मी.)	863
6.	गोंडा-बहराइच आमान परिवर्तन (60 कि.मी.)	318

7.	बाराबंकी-अकबरपुर दोहरीकरण (161 कि.मी.)	1700
8.	कप्तानगंज-थावे-छपरा आमान परिवर्तन (234 कि.मी.)	819
9.	पीलीभीत-शाहजहांपुर आमान परिवर्तन (83 कि.मी.)	589
10.	इन्दारा-दोहरीघाट आमान परिवर्तन (34 कि.मी.)	213
11.	लखनऊ-पीलीभीत आमान परिवर्तन (263 कि.मी.)	1634
12.	भदोही-जंघई दोहरीकरण (31 कि.मी.)	168
13.	लहोटा-भदोही दोहरीकरण (39 कि.मी.)	184
14.	मेरठ-मुजफ्फरनगर दोहरीकरण (55 कि.मी.)	430
15.	फाफामऊ-प्रयागराज दोहरीकरण (14 कि.मी.)	212
16.	मुजफ्फरनगर-टपरी दोहरीकरण (52 कि.मी.)	525
17.	उतरेटिया-रायबरेली दोहरीकरण (66 कि.मी.)	662
18.	रायबरेली-अमेठी दोहरीकरण (60 कि.मी.)	668
19.	आलमनगर-उतरेटिया दोहरीकरण (20 कि.मी.)	358
20.	भीमसेन-झांसी दोहरीकरण (206 कि.मी.)	2620
21.	डोमिनगढ़-गोरखपुर-कुसुम्ही - तीसरी लाइन और गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण (21 कि.मी.)	508
22.	मल्हौर-डालीगंज दोहरीकरण (13 कि.मी.)	183
23.	रूमा चकेरी- चंदारी तीसरी लाइन (13 कि.मी.)	177
24.	बरेली-पीलीभीत-टनकपुर आमान परिवर्तन (102 कि.मी.)	313
25.	रोसा-सीतापुर कैंट-बुढ़वल दोहरीकरण (181 कि.मी.)	2094
26.	जौनपुर-अकबरपुर (टांडा) दोहरीकरण (77 कि.मी.)	676
27.	रमना-रेणुकूट-सिंगरौली दोहरीकरण (160 कि.मी.)	2436

28.	जंघई-फाफामऊ दोहरीकरण (47 कि.मी.)	414
29.	वाराणसी-माधोसिंह-प्रयागराज दोहरीकरण (120 कि.मी.)	2018
30.	करैला रोड- शक्तिनगर दोहरीकरण (32 कि.मी.)	763
31.	देवबंद (मुजफ्फरनगर)-रुड़की (27 कि.मी.)	1289
32.	आगरा-इटावा नई लाइन (110 कि.मी.)	427
33.	फेफना-इन्दारा, मऊ-शाहगंज दोहरीकरण (150 कि.मी.)	1778

चालू परियोजनाएं:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	बाराबंकी-बुढ़वल तीसरी लाइन (27 कि.मी.)	426
2.	बुढ़वल- गोंडा कचहरी चौथी लाइन (56 कि.मी.)	796
3.	बुढ़वल-गोंडा तीसरी लाइन (62 कि.मी.)	1118
4.	बहराइच-खलीलाबाद नई लाइन (240 कि.मी.)	4940
5.	कटरा और अयोध्या धाम दोहरीकरण (10 कि.मी.)	466
6.	पंडित दीन दयाल उपाध्याय- प्रयागराज तीसरी लाइन (150 कि.मी.)	2649
7.	बिल्ली-चुनार दोहरीकरण (102 कि.मी.)	1424
8.	छपरा-बलिया दोहरीकरण (65 कि.मी.)	1046
9.	ऊंचाहार-अमेठी नई लाइन (66 कि.मी.)	1229
10.	एटा-कासगंज नई लाइन (29 कि.मी.)	389
11.	गोरखपुर- वाल्मीकिनगर दोहरीकरण (96 कि.मी.)	1121

12.	वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय तीसरी और चौथी लाइन (15 कि.मी.)	2464
13.	झांसी-खैरार-मानिकपुर और खैरार-भीमसेन दोहरीकरण (431 कि.मी.)	4330
14.	सहजनवा-दोहरीघाट नई लाइन (81 कि.मी.)	1320
15.	कुबेरपुर-यमुना पुल तीसरी लाइन (10 कि.मी.)	170
16.	प्रयागराज (इरादतगंज)- मानिकपुर तीसरी लाइन (84 कि.मी.)	1508
17.	दिलकुशा-मल्हौर तीसरी लाइन (8 कि.मी.)	164
18.	अयोध्या कैंट (सालापुर-मसौधा के बीच) बाईपास/कोर्ड लाइन (6 कि.मी.)	97
19.	दीदारगंज-शाहगंज- बिलवई कोर्ड लाइन (6 कि.मी.)	137
20.	वाराणसी शिवपुर तीसरी लाइन (6 कि.मी.)	76
21.	जौनपुर जं.-जाफराबाद दोहरीकरण (6 कि.मी.)	177
22.	भटनी-औंडिहार दोहरीकरण (117 कि.मी.)	2529
23.	मथुरा-झांसी तीसरी लाइन (274 कि.मी.)	5924
24.	आगरा फोर्ट और बांदीकुई दोहरीकरण (150 कि.मी.)	988
25.	जंघई-प्रतापगढ़-अमेठी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	1197
26.	बाराबंकी-मल्हौर-तीसरी और चौथी लाइन (33 कि.मी.)	407
27.	फाफामऊ-ऊंचाहार दोहरीकरण (72 कि.मी.)	971
28.	औंडिहार-वाराणसी सिटी तीसरी लाइन (31 कि.मी.)	76

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण

- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन-समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

<u>अमृत भारत स्टेशन</u>

रेल मंत्रालय द्वारा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है।

इस योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ी/रैम्प का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/सतह का निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान आदि तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की परिकल्पना भी की गई है।

अब तक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1338 स्टेशनों की पहचान की गई है। इनमें से, 80 स्टेशन मध्य प्रदेश में, 132 स्टेशन महाराष्ट्र में और 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश में स्थित हैं।

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
मध्य प्रदेश	80	अकोदिया, आमला, अनूपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, बानापुरा, बरगवां, ब्यौहारी, बेरछा, बैतूल, भिंड, भोपाल, बिजुरी, बीना, बियावरा राजगढ़, छिंदवाड़ा, डबरा, दमोह, दतिया, देवास, गाडरवारा, गंजबासौदा, घोड़ाडोंगरी, गुना, ग्वालियर, हरदा, हरपालपुर, इंदौर जंक्शन, इटारसी जंक्शन, जबलपुर, जुन्नौर देव, करेली, कटनी जंक्शन, कटनीमुरवारा, कटनी साउथ, खाचरोद, खजुराहो जंक्शन, खंडवा, खिरकिया, लक्ष्मी बाई नगर, मैहर, मक्सी जंक्शन, मंडला फोर्ट, मंदसौर, एमसीएस छतरपुर, मेघनगर, मुरैना, मुलताई, नागदा जंक्शन, नैनपुर जंक्शन, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नरसिंहपुर, नेपानगर, नीमच, ओरछा, पांढुर्ना, पिपरिया, रतलाम, रीवा, रुठियाई, सांची, संत हिरदाराम नगर, सतना, सागर, सीहोर, सिवनी, शहडोल, शाजापुर, शामगढ़, श्योपुर कलां, शिवपुरी, श्रीधाम, शुजालपुर, सिहोरा रोड, सिंगरौली, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया, विदिशा, विक्रमगढ़ आलोट
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अक्कलकोट रोड़, अकोला, आकुर्डी, अमलनेर,

		आमगाँव, अमरावती, अंधेरी, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली, भायखला, चालीसगाँव, चांदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति संभाजी नगर, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवाड, दादर (मध्य रेल), दादर (पश्चिम रेल), दहिसर, दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामणगांव, धरणगांव, धाराशिव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधनी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हातकणंगले, हजूर साहिब नान्देड, हिमायत नगर, हिंगनघाट, हिंगोली दक्कन, इगतपुरी, जलगाँव, जालना, जेऊर, जोगेश्वरी, कल्याण जंक्शन, कामटी, कांदिवली, कंजुर मार्ग, कराड, काटोल, केडगाँव, किनवट, कोपरगाँव, कुर्डुवाडी जंक्शन, कुर्ला जंक्शन, लासलगाँव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद जंक्शन, लोनावाला, लोअर परेल, मलाड जं., मलकापुर, मनमाड जं., मानवत रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज जंक्शन, मुदखेड़ जंक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर, नागरसोल, नागपुर जं., नंदगाँव, नांदुरा, नंदुरबार, नरखेड़ जंक्शन, नासिक रोड, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, पाचोरा जंक्शन, पालघर, पंढरपुर, पनवेल जंक्शन, परभणी जंक्शन, परेल, परली वैजनाथ, परतूर, फलटाण, प्रभादेवी, पुलगाँव जंक्शन, पुणे जंक्शन, पूर्णा जंक्शन, रावेर, रोटेगांव, साईंनगर शिर्डी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सतारा, सावदा, सेलू, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजीनगर पुणे, श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, सोलापुर, तलेगांव, ठाकुर्ली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्याविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाठार
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग जं., अकबरपुर जं., अलीगढ, अमेठी, अमरोहा, आनंद नगर जं., आंवला, अयोध्या धाम जंक्शन,

		आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदांयू, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराईच, बालामऊ जं., बलिया, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जं., बरेली, बरेली सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर, बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम कर्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेसर, गौरीगंज, घाटमपुर, गाजियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज जंक्शन, कासगंज जंक्शन, काशी, खलीलाबाद, खोरासों रोड, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर जंक्शन, लंभुआ, लोहता, लखनऊ) चारबाग (उत्तर रेलवे, लखनऊ सिटी, लखनऊ जंक्शन) पूर्वोत्तर रेलवे(, मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़ जंक्शन, मगहर, महाराजा बिजली पासी, महोबा जंक्शन, मैलानी जंक्शन, मैनपुरी जंक्शन, मल्हौर, मानक नगर, मानिकपुर जंक्शन, मारियाहू, मथुरा जंक्शन, मऊ जंक्शन, मेरठ सिटी जंक्शन, मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद जंक्शन, मुजफ्फरनगर, नगीना, नजीबाबाद जंक्शन, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, फूलपुर, पीलीभीत जंक्शन, पोखरायां, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, पं .दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, रायबरेली जंक्शन, राजा की मंडी, रामघाट हाल्ट, रामपुर जंक्शन, रेनुकूट, सहारनपुर जंक्शन, सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जंक्शन, शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद

		जंक्शन, शिवपुर, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर जंक्शन, सोनभद्र, श्रीकृष्ण नगर, सुल्तानपुर जंक्शन, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जंक्शन, उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जंक्शन, उतरेतिया जंक्शन, वाराणसी कैंट, वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, व्यासनगर, जाफराबाद

<u>स्टेशन जहां कार्य पूरे किए जा चुके हैं</u>

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं और इन राज्यों के निम्नलिखित स्टेशनों पर कार्य पूर्ण हो चुके हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
मध्य प्रदेश	15	ब्यौहारी, भिंड, छिंदवाड़ा, हरपालपुर, जुन्नौर देव, कटनी साउथ, एमसीएस छतरपुर, नैनपुर जंक्शन, नर्मदापुरम, ओरछा, सांची, सिवनी, शाजापुर, श्रीधाम, विदिशा
महाराष्ट्र	17	आमगांव, बारामती, चांदा फोर्ट, चिंचपोकली, देवलाली, धुले, केडगांव, लासलगांव, लोनंद जंक्शन, माटुंगा, मुर्तिजापुर जंक्शन, नंदुरा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, परेल, सावदा, शहद, वडाला रोड
उत्तर प्रदेश	23	अयोध्या धाम जंक्शन, बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनौर, फतेहाबाद, फतेहपुर, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, खलीलाबाद, मैलानी जंक्शन, पनकी धाम, पुखरायां, रामघाट हाल्ट, सहारनपुर जंक्शन,

		सिद्धार्थ नगर, सुरैमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, उझानी

अन्य स्टेशनों पर विकास कार्य भी तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश के कुछ स्टेशनों में निम्नानुसार प्रगति हुई है:

- ग्वालियर स्टेशन: पश्चिम की ओर से आगमन और प्रस्थान भवनों, कॉनकोर्स, मेज़ानिन, एयर कॉनकोर्स और झांसी छोर पर पैदल पार पुल के संरचनात्मक कार्य पूरे हो चुके हैं। आगमन और प्रस्थान भवन के पूर्वी भाग, आगमन मार्ग, प्लेटफॉर्म का नवीकरण, एयर कॉनकोर्स, सेंट्रल रूफ और आगरा छोर पर ऊपरी पैदल पार पुल के ब्लॉक कार्य शुरू किए गए हैं।
- सागर स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार कार्य, नए प्रवेश और निकास प्रांगन, प्लेटफॉर्म सं. 1 की ऊंचाई बढ़ाने और सतह का कार्य, प्रतीक्षालय में सुधार, नए शौचालय ब्लॉक और दिव्यांगजन सुविधाओं के कार्य पूरे हो चुके हैं। परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पार पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।
- भिंड स्टेशन: स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पहुंच मार्ग, मुख्य प्रवेश द्वार, दिव्यांगजन सुविधाओं और 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पार पुल के सुधार का कार्य पूरा हो गया है। लिफ्ट का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- डबरा स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रांगण, प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र और पहुंच मार्ग में सुधार के कार्य पूरे हो चुके हैं। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

महाराष्ट्र

- पालघर स्टेशन: प्लेटफार्म संख्या 2/3 पर नए प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म की सतह निर्माण, प्लेटफार्म संख्या 4 पर नए कॉपिंग ब्लॉक और स्पर्शनीय टाइल का कार्य पूरा कर लिया गया है। जनोपयोगिता स्थानांतरण और 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- दिवा स्टेशन: स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और पूर्वी हिस्से के पार्किंग के सुधार कार्य, नए प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म सं. 5/6 और 7/8 का प्लेटफॉर्म को ऊंचा करने और फर्श संबंधी कार्य, प्लेटफॉर्म सं. 7/8 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, नए शौचालय ब्लॉक, पश्चिम की

ओर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, कल्याण छोर और मुंबई छोर पर ऊपरी पैदल पुल में सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। 6 मीटर चौड़े नए ऊपरी पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- मुंब्रा स्टेशन: प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, बैठने की व्यवस्था, नए शौचालय ब्लॉक, बुकिंग कार्यालय के सुधार, परिचलन क्षेत्र, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और ऊपरी पैदल पुल के फर्श की मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया गया है। स्वचालित सीढ़ियों का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- टिटवाला स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म की सतह निर्माण, टिकट बुकिंग कार्यालय में सुधार, शौचालय ब्लॉक, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और पूर्वी व पश्चिमी छोर पर दोपहिया वाहन पार्किंग और पहुंच मार्ग का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। 6 मीटर चौड़े नए ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश

- मैनपुरी जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन, बरामदे, सार्वजनिक आरक्षण प्रणाली काउंटर, प्रतीक्षा कक्ष, आवागमन क्षेत्र, पार्किंग, पहुंच मार्ग, प्रकाश व्यवस्था, जन उद्घोषणा प्रणाली, साइनबोर्ड और 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।
- गाजियाबाद स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार और दूसरे प्रवेश द्वार की ओर स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, टूंडला छोर पर नए पैदल पार पुल-बी का नींव संबंधी कार्य, रूफ प्लाजा, मौजूदा पैदल पार पुल-ए का विस्तार कार्य, मुख्य प्रवेश द्वार और दूसरे प्रवेश द्वार पर विद्युत सब-स्टेशन को अंतिम रूप देने का कार्य, मजिस्ट्रेट भवन, राजकीय रेल पुलिस और रेल सुरक्षा बल के भवनों का कार्य शुरु किया गया है।
- रामपुर जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन का निर्माण कार्य, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय और शौचालय का कार्य पूरा हो चुका है। परिचलन क्षेत्र और ऊपरी पैदल पार पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।
- शाहजहांपुर स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2/3 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर और सतह निर्माण के कार्य पूरे हो चुके हैं। स्टेशन भवन का सुधार कार्य, दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और ऊपरी पैदल पार पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था आदि यात्री सुविधाओं सहित स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और चलायमान प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकता के अनुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/सम्हाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार।

मध्य प्रदेश सात क्षेत्रीय रेलों नामतः मध्य रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में ₹5,801 करोड़ का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (फरवरी 2026 तक) ₹5,681 करोड़ का व्यय उपगत किया गया है।

महाराष्ट्र चार क्षेत्रीय रेलों नामतः मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ₹3,834 करोड़ का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (फरवरी, 2026 तक) ₹3,886 करोड़ का व्यय उपगत किया गया है।

उत्तर प्रदेश राज्य पाँच क्षेत्रीय रेलों नामतः पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 3,794 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (फरवरी, 2026 तक) 3,694 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

भारतीय रेल समाज के सभी वर्गों को किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, भारतीय रेल ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और विनिर्मित वंदे भारत (स्लीपर और चेयर कार), अमृत भारत और नमो भारत रैपिड रेल सेवाएं शुरू की हैं, जिनमें आधुनिक सवारी डिब्बे, उन्नत संरक्षा सुविधाएं और यात्री सुविधाएं उपलब्ध हैं।

वंदे भारत सेवाएं (चेयर कार):

भारतीय रेल ने यात्रियों के यात्रा अनुभव में सुधार लाने के उद्देश्य से आधुनिक सवारी डिब्बों, उन्नत संरक्षा विशेषताओं और यात्री सुविधाओं वाले स्वदेशी रूप से डिजाइन और विनिर्मित वंदे भारत रेलगाड़ियां (चेयर कार/स्लीपर) शुरू की हैं। इन वंदे भारत चेयर कार गाड़ियों में निम्नलिखित विशेषताएं हैं:

- **झटका मुक्त सेमी परमामेंट कपलर।**
- **कवच से सुसज्जित।**
- **केंद्रीकृत रूप से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और पूरी तरह से सीलबंद चौड़े गैंगवे**
- **सभी सवारी डिब्बों में आपातकालीन अलार्म पुश बटन और टॉक बैक इकाई**
- **बेहतर अग्नि संरक्षा-विद्युत कैबिनेटों और शौचालयों में एरोसोल आधारित अग्नि संसूचन और शमन प्रणाली।**
- **180/160 कि.मी. प्रति घंटे की डिजाइन/परिचालन गति के साथ उच्चतर त्वरण।**
- **वॉइस रिकॉर्डिंग सुविधा और क्रैश हार्डन्ड मेमोरी के साथ चालक-गार्ड संपर्क।**
- **यात्री क्षेत्र के भीतर स्वच्छता मानकों में सुधार के लिए अनुकूलित हवा से 99% हानिकारक बैक्टीरिया को निष्क्रिय करने के लिए, एयर कंडीशनिंग इकाइयों में स्वदेशी रूप से विकसित यूवी-सी लैंप आधारित विसंक्रमण प्रणाली लगाई गई है।**
- **बेहतर यात्रा अनुभव**
- **सभी सवारी डिब्बों में सीसीटीवी।**
- **दिव्यांग यात्रियों के लिए ड्राइविंग कोच में दोनों तरफ विशेष शौचालय।**
- **दूरस्थ निगरानी के लिए कोच कंडीशन निगरानी प्रणाली (सीसीएमएस)।**

18.03.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल नेटवर्क पर निम्नलिखित 162 वंदे भारत रेलगाड़ी सेवाएं (चेयर कार) एक्सप्रेस परिचालित की जा रही हैं:-

क्र. सं.	रेलगाड़ी सं. और नाम
1	22435/22436 नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस
2	22439/22440 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस

3	20901/20902 गांधीनगर कैपिटल-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस
4	22447/22448 अम्ब अंदौरा-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस
5	20607/20608 मैसूर-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस
6	20825/20826 नागपुर-बिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
7	22301/22302 न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
8	20833/20834 सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस
9	22223/22224 साईनगर शिरडी-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) वंदे भारत एक्सप्रेस
10	22225/22226 सोलापुर-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) वंदे भारत एक्सप्रेस
11	20171/20172 निज़ामुद्दीन-रानी कमलापति वंदे भारत एक्सप्रेस
12	20701/20702 तिरुपति-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस
13	20643/20644 कोयंबटूर-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस
14	20977/20978 चंडीगढ़-अजमेर वंदे भारत एक्सप्रेस
15	20633/20634 तिरुवनंतपुरम-कासरगोड वंदे भारत एक्सप्रेस
16	22895/22896 पुरी-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
17	22457/22458 देहरादून-आनंद विहार वंदे भारत एक्सप्रेस
18	22227/22228 गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस
19	20911/20912 नागपुर-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस
20	22229/22230 मडगांव-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) वंदे भारत एक्सप्रेस
21	22349/22350 रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस
22	20661/20662 धारवाड़-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस
23	20173/20174 रीवा-रानी कमलापति वंदे भारत एक्सप्रेस
24	22549/22550 गोरखपुर-प्रयागराज वंदे भारत एक्सप्रेस

25	12461/12462 साबरमती-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
26	22925/22926 ओखा-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस
27	20665/20666 तिरुनेलवेली-चेन्नई एग्मोर वंदे भारत एक्सप्रेस
28	20677/20678 नरसापुर-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस
29	20703/20704 यशवंतपुर-काचीगुडा वंदे भारत एक्सप्रेस
30	20631/20632 तिरुवनंतपुरम-मंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस
31	26963/26964 उदयपुर-असरवा वंदे भारत एक्सप्रेस
32	22347/22348 पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
33	20835/20836 पुरी-राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस
34	20897/20898 रांची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
35	22415/22416 नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस
36	20641/20642 कोयंबटूर-बेंगलुरु कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस
37	20645/20646 मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस
38	20705/20706 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-नांदेड़ वंदे भारत एक्सप्रेस
39	22477/22478 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस
40	22425/22426 आनंद विहार-अयोध्या कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस
41	22487/22488 अमृतसर-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस
42	22962/22961 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस
43	20707/20708 विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस
44	20663/20664 चेन्नई-मैसूर वंदे भारत एक्सप्रेस
45	22233/22234 पटना-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस
46	22470/22469 खजुराहो-निज़ामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस

47	22231/22232 बेंगलुरु-कलबुर्गी वंदे भारत एक्सप्रेस
48	20841/20842 विशाखापत्तनम-भुवनेश्वर वंदे भारत एक्सप्रेस
49	22345/22346 गोमती नगर-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस
50	20887/20888 वाराणसी-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस
51	22545/22546 देहरादून-लखनऊ जंक्शन वंदे भारत एक्सप्रेस
52	22490/22489 वाराणसी-मेरठ सिटी वंदे भारत एक्सप्रेस
53	20627/20628 नागरकोविल-चेन्नई एग्मोर वंदे भारत एक्सप्रेस
54	20671/20672 बेंगलुरु कैंट-मदुरै वंदे भारत एक्सप्रेस
55	22500/22499 देवघर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस
56	22309/22310 जमालपुर-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
57	20871/20872 राउरकेला-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
58	20893/20894 पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस
59	20892/20891 टाटानगर-ब्रह्मपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
60	22303/22304 गया-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
61	20669/20670 पुणे-हुबली वंदे भारत एक्सप्रेस
62	20673/20674 पुणे-छत्रपति शाहू महाराज (टी) वंदे भारत एक्सप्रेस
63	20101/20102 सिकंदराबाद-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
64	20829/20830 विशाखापत्तनम-दुर्ग वंदे भारत एक्सप्रेस
65	21893/21894 पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस
66	21895/21896 पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस
67	20176/20175 बनारस-आगरा कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस
68	26901/26902 वेरावल-साबरमती वंदे भारत एक्सप्रेस

69	26401/26402 श्रीनगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस
70	26403/26404 श्रीनगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस
71	26502/26501 पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
72	26751/26752 केएसआर बेंगलुरु-बेलगावी वंदे भारत एक्सप्रेस
73	26406/26405 अमृतसर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस
74	26101/26102 पुणे-अजनी वंदे भारत एक्सप्रेस
75	26302/26301 जोगबनी-दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस
76	26481/26482 दिल्ली कैंट-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
77	26471/26472 दिल्ली कैंट-बीकानेर वंदे भारत एक्सप्रेस
78	26462/26461 दिल्ली-फिरोजपुर कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस
79	26651/26652 एरणाकुलम-केएसआर बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस
80	26506/26505 खजुराहो-बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस
81	26504/26503 सहारनपुर-गोमतीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस

वंदे भारत स्लीपर रेलगाड़ी सेवा:

लंबी दूरी की यात्रा के लिए, वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर संस्करण को स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है। ऐसी दो रेलगाड़ियां पहले ही विनिर्मित की जा चुकी हैं। व्यापक परीक्षणों के बाद, इन रेलगाड़ियों को भारतीय रेल में शामिल किया गया है। पहली वंदे भारत स्लीपर सेवा, अर्थात् 27575/27576 हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस का 22.01.2026 से नियमित परिचालन शुरू कर दिया गया है।

वंदे स्लीपर जैसी नई रेलगाड़ियों के विकास की प्रक्रिया में एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जिसमें सुरक्षित, विश्वसनीय और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए

प्रौद्योगिकीय नवाचार, रणनीतिक योजना और विनिर्माण का संयोजन शामिल है। इसमें प्रोटोटाइप का विकास, व्यापक परीक्षण और प्रयोग, और उसके बाद बड़े पैमाने पर उत्पादन शामिल हैं।

यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने और सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा के मामले में नए मानक स्थापित करने के लिए, इन रेलगाड़ियों में आधुनिक सवारी डिब्बे लगाए गए हैं जिनमें उन्नत सुरक्षा सुविधाएँ और यात्री संबंधी अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं, जैसे:

- झटका मुक्त सेमी परमानेंट कपलर और एंटी क्लाइम्बर्स।
- कवच से सुसज्जित।
- 180/160 कि.मी. प्रति घंटे की डिजाइन/परिचालन गति के साथ उच्च त्वरण।
- ईएन मानकों के अनुरूप कार बॉडी का क्रैशवर्थी डिजाइन।
- अग्नि संरक्षा मानकों के अनुपालन के लिए प्रत्येक सवारी डिब्बे के अंत में अग्नि अवरोधक दरवाजे।
- विद्युत कैबिनेट और शौचालयों में एरोसोल आधारित अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणाली।
- ऊर्जा दक्षता के लिए पुनरूत्पादक ब्रेकिंग प्रणाली।
- यात्री क्षेत्र के भीतर स्वच्छता मानकों में सुधार के लिए अनुकूलित हवा से 99% हानिकारक बैक्टीरिया को निष्क्रिय करने के लिए, एयर कंडीशनिंग इकाइयों में स्वदेशी रूप से विकसित यूवी-सी लैंप आधारित विसंक्रमण प्रणाली लगाई गई है।
- केंद्रीकृत रूप से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और पूरी तरह से सीलबंद चौड़े गैंगवे।
- सभी डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे।
- आपातकालीन स्थिति में यात्री और गाड़ी प्रबंधक/लोको पायलट के बीच संप्रेषण के लिए आपातकालीन टॉक-बैक इकाई।
- दिव्यांगजन यात्रियों के लिए प्रत्येक छोर पर ड्राइविंग कोच में विशेष शौचालय।
- यात्री सुविधाओं जैसे वातानुकूलन, सैलून प्रकाश व्यवस्था आदि की स्थिति पर निगरानी के लिए केंद्रीकृत सवारी डिब्बा निगरानी प्रणाली।
- ऊपरी बर्थ पर आसानी से चढ़ने के लिए एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन की गई सीढ़ी।

18.03.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल नेटवर्क पर निम्नलिखित 02 वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस रेलगाड़ियां परिचालित की जा रही हैं:

क्र. सं.	रेलगाड़ी सं. और नाम
1	27575/27576 हावड़ा - कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस

अमृत भारत सेवाएं:

निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों को परिवहन का किफायती साधन सुलभ कराने के लिए, भारतीय रेल ने अमृत भारत सेवाओं की शुरुआत की है जो पूरी तरह से गैर-वातानुकूलित आधुनिक रेलगाड़ियां हैं। अमृत भारत एक्सप्रेस की वर्तमान संरचना में 11 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे, 8 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बे, 1 रसोई-यान और 2 सामान-सह-दिव्यांगजन सवारी डिब्बे होते हैं।

इन रेलगाड़ियों में उच्च गति और उन्नत संरक्षा मानकों जैसी विशेषताओं सहित निम्नलिखित उन्नत विशेषताएं व सुविधाएं विद्यमान हैं:

i. वंदे भारत स्लीपर के समान उन्नत रूप और अनुभूति वाली सीटों और शायिकाओं की बेहतर साज-सज्जा।
ii. झटका मुक्त सेमी-ऑटोमेटिक कपलर।
iii. क्रैश ट्यूब के प्रावधान से सवारी डिब्बों में बेहतर क्रैशवर्दीनैस।
iv. सभी सवारी डिब्बों और सामान कक्ष में सीसीटीवी प्रणाली का प्रावधान।
v. शौचालयों का बेहतर डिज़ाइन।
vi. बर्थ पर आसानी से चढ़ने के लिए सीढ़ी का बेहतर डिज़ाइन।
vii. बेहतर एलईडी लाइट फिटिंग और चार्जिंग सॉकेट।
viii. ईपी युक्त ब्रेकिंग प्रणाली का प्रावधान।
ix. शौचालयों और इलेक्ट्रिकल क्यूबिकल्स में एरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली।
x. यूएसबी टाइप-ए और टाइप-सी मोबाइल चार्जिंग सॉकेट।
xi. यात्री और गार्ड/रेलगाड़ी प्रबंधक के बीच पारस्परिक संप्रेषण के लिए आपातकालीन टॉक-बैक प्रणाली।

xii. उन्नत तापन क्षमता वाले गैर-वातानुकूलित रसोई-यान।

xiii. आसानी से जोड़ने और अलग करने के लिए त्वरित मोचन प्रणाली वाले पूर्ण रूप से सीलबंद गैंगवे।

18.03.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल नेटवर्क पर निम्नलिखित 60 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं का परिचालन किया जा रहा है:-

क्र. सं.	रेलगाड़ी सं. और नाम
1	11015/11016 लोकमान्य तिलक (टी)-सहरसा अमृत भारत एक्सप्रेस
2	13697/13698 गया-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
3	15293/15294 मुजफ्फरपुर-चर्लपल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
4	15557/15558 दरभंगा-आनंद विहार (टर्मिनस) अमृत भारत एक्सप्रेस
5	15561/15562 दरभंगा-गोमतीनगर अमृत भारत एक्सप्रेस
6	15567/15568 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार (टी) अमृत भारत एक्सप्रेस
7	22361/22362 राजेंद्रनगर (टी)-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
8	13433/13434 एसएमवीटी बेंगलुरु-मालदा टाउन अमृत भारत एक्सप्रेस
9	13435/13436 मालदा टाउन-गोमतीनगर अमृत भारत एक्सप्रेस
10	15133/15134 छपरा-आनंद विहार (टी) अमृत भारत एक्सप्रेस
11	14047/14048 सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
12	14627/14628 सहरसा-छेहरटा अमृत भारत एक्सप्रेस
13	19623/19624 मदार-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस
14	16601/16602 इरोड-जोगबनी अमृत भारत एक्सप्रेस
15	19021/19022 उधना-ब्रह्मपुर अमृत भारत एक्सप्रेस

16	15671/15672 कामाख्या-रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस
17	20609/20610 न्यू जलपाईगुड़ी-तिरुचिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
18	16597/16598 एसएमवीटी बेंगलुरु-अलीपुरद्वार अमृत भारत एक्सप्रेस
19	11031/11032 पनवेल-अलीपुरद्वार अमृत भारत एक्सप्रेस
20	16107/16108 ताम्बरम-संतरागाछी अमृत भारत एक्सप्रेस
21	13065/13066 हावड़ा-आनंद विहार (टी) अमृत भारत एक्सप्रेस
22	22587/22588 सियालदह-बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस
23	20603/20604 न्यू जलपाईगुड़ी-नागरकोविल अमृत भारत एक्सप्रेस
24	15949/15950 डिब्रूगढ़-गोमती नगर अमृत भारत एक्सप्रेस
25	16121/16122 ताम्बरम-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल अमृत भारत एक्सप्रेस
26	16329/16330 नागरकोविल-मंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस
27	17041/17042 चर्लपल्ली-तिरुवनंतपुरम नॉर्थ अमृत भारत एक्सप्रेस
28	16619/16620 पोदनूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस
29	16357/16358 नागरकोविल-चर्लपल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
30	15673/15674 चर्लपल्ली-कामाख्या अमृत भारत एक्सप्रेस

******